BSES

बीएसईएस कर्मचारी बन ठगी करने वाले 3 गिरफ्तार

- *शाहदराः* स्टिंग ऑपरेशन मामले में बीएसईएस की एफआईआर पर पुलिस ने एक को पकड़ा
- *पश्चिम विहारः* उपभोक्ता की मदद से दो बीएसईएस टीम ने दो ठगों को दबोचा

नई दिल्ली, **12** सितंबर, **2007**। बीएसईएस यमुना ने एक टीवी स्टिंग ऑपरेशन के आधार पर शाहदरा थाने में कल एक एफआईआर दर्ज कराई और उसके बाद पुलिस ने मीटर से छेड़छाड़ के एक आरोपी को शाहदरा इलाके से ही गिरफ्तार किया। गौरतलब है कि हाल ही में दिल्ली के एक न्यूज चैनल ने अपने स्टिंग ऑपरेशन में कुछ लोगों को मीटर से छेड़छाड़ करते दिखाया था। वे लोग उपभोक्ता से पैसों की मांग भी कर रहे थे। स्टिंग ऑपरेशन में यह बताया गया था कि आरोपी बीएसईएस के कर्मचारी हैं। इस पर बीएसईएस ने मामले की जांच की, तो पता चला कि उनमें से कोई भी व्यक्ति किसी भी तरीके से बीएसईएस से जुड़ा हुआ नहीं है। वे सभी ठग थे।

बीएसईएस बीएसईएस यमुना की एफआईआर पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक आरोपी दर्शन सिंह को गिरफ्तार कर लिया। दो अन्य आरोपी– संदीप सिंह व असलम अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं।

उधर, पश्चिम विहार इलाके में एक उपभोक्ता की मदद से बीएसईएस विजिलेंस टीम, ठगों के एक गिरोह के दो सदस्यों को पकड़, उन्हें पुलिस के हवाले करने में कामयाब हो गई। दरअसल, दो ठग एक उपभोक्ता के घर गए और खुद को बीएसईएस कर्मचारी बताकर उनके बिजली मीटर की *फर्जी* जांच की। ठगों ने उपभोक्ता से कहा कि उसके मीटर के साथ छेड़छाड़ की गई है और इसके लिए उसे भारी जुर्माना देना होगा। साथ ही यह भी कहा कि वे **10,000** रूपये में मामले को रफा–दफा कर सकते हैं।

इस पर उपभोक्ता को शक हुआ और उसने बीएसईएस से संपर्क किया। अधिकारियों ने उपभोक्ता को सलाह दी कि वे किसी तरह ठगों को बातों में उलझाए रखें, जब तक कि विजिलेंस विभाग के अधिकारी वहां नहीं पहुंच जाते। बीएसईएस अधिकारियों की टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और ठगों को कब्जे में ले लिया। मुकेश और अजय कुमार नामक ये दो लोग ठग निकले, जो खुद को बीएसईएस कर्मचारी बता रहे थे। विजिलेंस टीम ने दोनों को पश्चिम विहार पुलिस के हवाले कर दिया।

जांच में पता चला कि ये दोनों ठग पहले भी इस उपभोक्ता के घर जा चके हैं। उपभोक्ता की पत्नी **10,000** हजार रूपये में मामले को रफा–दफा करवाने पर राजी हो गई थीं। उन्होंने **5000** रूपये पहली किश्त के तौर पर ठगों को दे भी दी थी। इस बार ठग अपनी दूसरी किश्त लेने आए थे, लेकिन इस बीच उपभोक्ता को शक हुआ कि हो सकता है, ये लोग बीएसईएस कर्मचरी न होकर, ठग हों।

बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं से अनुरोध करती है कि वे किसी के बहकावे, या झूठे आश्वासन में न आएं। यदि कोई उनसे पैसे की मांग करता है, तो उन्हें तुरंत समझ लेना चाहिए कि वह व्यक्ति कोई ठग ही है। बिजली चोरी से संबंधित सभी तरह के भुगतान बीएसईएस ऑफिस में ही स्वीकार किए जाते हैं। कोई भी बीएसईएस कर्मचरी उपभोक्ता के घर पर भुगतान लेने के लिए अधिकृत नहीं है। शक होने पर उपभोक्ता बीएसईएस हेल्पलाइन नंबरों– **39999777** व **39999888** पर संपर्क कर सकते हैं, या फिर पुलिस को सूचित कर सकते हैं।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: *प्रशान्त दुआ*
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– **39999870/ 9312007822**

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– **39999088/ 9350130304**